(a) Rupees 3.98 crores approvimately were spent during the last three years as given below:—

1985-86 . . .	0.70 crores.
1986-87 . .	1 35 crores.
1987-88 . .	1.93 crores.
TOTAL :	3.98 crores.

(c) This amount will be fixed after the 1988-89 Budget is passed.

हिन्दी भाषा का प्रसार

2322. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि "क" और "ख" क्षेत्रों में राजभाषा अधिनियम की पूर्णत: अवहेलना करते हुए रोमन लिपि के कम्प्यूटरों, टेलेक्स मशीनों और टेलीप्रिंटरों जैसे दर्जनों आधुनिक यंत्रों के आगमन और अबाधित प्रयोग के फलस्वरूप हिन्दी के प्रसार का कार्य वर्षों पीछे पड़ गया है और जहां भी टेलेक्स मशीनें लगायी गयी हैं, वहां से एक भी तार हिन्दी में नहीं भेजा गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि "क" क्षेत्रों में अंग्रेजी के टंकण यंत्रों आदि की तुलना में देवनागरी के टंकण यंत्रों, टंककों और आशुलिपिकों की संख्या नहीं के बराबर है, जबकि उनकी संख्या 50:50 होनी चाहिए थी ; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और हिन्दी भाषा के प्रसार के लिए क्या नए कदम उठाए गए हैं ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री महाबीर प्रसाद): (क) जी नहीं, जैसाकि पिछले दस वर्षों में हुई हिन्दी के प्रयोग की प्रगति के संलग्न विवरण से स्पष्ट है। (नीचे दे दिये)

इसके अतिरिक्त रेलों को यह अनुदेश है कि केवल द्विभाषी इलेक्ट्रानिक उपकरण ही खरीदे जाएं। कम्प्यूटर और टेलीप्रिंटर अभी तक द्विभाषी रूप में उपलब्ध नहीं है। फिर भी "क" क्षेत्र के सभी पर्सनल कम्प्यूटरों को द्विभाषी रूप में परिवर्तित करने के प्रयास किये जा रहे है।

जहां तक देवनागरी में तार जारी करने का प्रश्न है, यह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार "क" क्षेत्र मे स्थित कई रेल कार्यालयों से 25% तार देवनागरी मे जारी किए जा रहे हैं। तथापि, पुरानी मोर्स प्रणाली के स्थान पर रेलों पर टेलीप्रिंटर लगाए जा चुके हैं या लगाए जा रहे है। रोमन टेलीप्रिंटर आपरेटरों को डाक-तार विभाग के परामर्श से देवनागरी टेली-प्रिंटिंग में प्रशिक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। जब भी रोमन टेलीप्रिंटर आपरेटर देवनागरी टेलीप्रिंटिंग में प्रशिक्षित हो जायेंगे, अधिक से अधिक तार टेलीप्रिंटर के माध्यम से देवनागरी में भेजे जाने लगेंगे।

(ख) गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के अनुसार उत्तर रेलवे को छोड़कर "क" क्षेत्र में स्थित सभी कार्या-लयों में 50 प्रतिशत से अधिक हिन्दी टंकण/आशुलिपि जानने वाले टंकक/आशुलिपिक तथा उसी अनुपात में देवनागरी टाइपराइटर उपलब्ध हैं। उत्तर रेलवे को गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रतिशत बढ़ाने के अनुदेश दे दिए गए हैं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

सरकारी कामकाज की विभिन्न मदें	वर्ष 1977	वर्ष 1987	उपलब्धियां
1. वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन			
(क) हिंदी पत्रों का उत्तर	10%	100%	+90%
(ख) हिंदी में मूल पत्राचार	10%	72%	+62%
(ग) धारा 3 (3) का अनुपालन	40%	89.4 प्रतिशत	+494.4 प्रतिशत
2. हिन्दी प्रशिक्षण			
(क) हिंदी में प्रशिक्षित कर्मचारी	89,000	3 लाख से अधिक	+2 लाख 11 हजार से अधिक
(ख) हिंदी टाइपिंग में प्रशिक्षित कर्मचारी	1831	6276	+4,445
(ग) हिंदी आशुलिपि में प्रशिक्षित कर्मचारी	777	1400	+623
3. अधिसूचित कार्यालय	14	1023	+1009
4. विनिर्दिष्ट कार्यालय	—	1023	+1023
5. यांत्रिक सुविधायें			
(क) देवनागरी टाइपराइटर	609	3261	+2652
(ख) देवनागरी टेलीप्रिंटर	—	12	+12
6. अनुवाद कार्य			
(क) स्थानीय फार्म	7000	24000	+17000
(ख) नियम पुस्तकें	270	400	+130
7. हिन्दी पुस्तकालय	182	763	+581
8. हिन्दी पुस्तकों की संख्या	2 लाख	8 लाख 78 हजार	+6 लाख 78 हजार
9. राजभाषा कार्यान्वयन समितियां	67	762	+695
10. हिंदी स्टाफ की व्यवस्था	463	1029	+566
11. प्रोत्साहन योजनाएं	4	11 (गृह मंत्रालय की योजना के अलावा)	+ 7
12. फाइलों पर हिंदी में काम	20%	95%	+75%